



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. ९२]
No. 92]नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 27, 1991/वैशाख 7, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 27, 1991/VAISAKHA 7, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हुई जिससे इक यह असग संकासन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, सोक शिकायत तथा वैशम भंगालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1991

संख्या 10/2/91-के से (ii)- निम्नलिखित सेवाओं/पदों (और ऐसी अन्य सेवाओं/पदों) को जिन्हें आयोग द्वारा विज्ञापन में आवेदन पत्र आमंत्रित करते समय शामिल किया जाए, में अस्थायी रिक्तियों को भरते के प्रयोजन से 1991 में कर्मचारी चयन आयोग कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं:—

- (1) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ब'
- (2) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ब'
- (3) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ध'
- (4) भारतीय बिवेश सेवा 'ख' के संवर्ग के आशुलिपिक ग्रेड - III

(5) केन्द्रीय सतर्कता आयोग

(6) भारतीय चुनाव आयोग सचिवालय

(7) अन्य दूसरे विभाग/कार्यालय जिनका ऊपर उल्लेख नहीं किया गया है।

आयोग द्वारा उपर्युक्त सेवाओं/पदों के संबंध में उम्मीदवार से वरीयता उस समय मांगी जाएगी जब वे अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करेंगे। फिर भी उम्मीदवार लिखित परीक्षा की तारीख से पहले एक बार वरीयता अम में परिवर्तन कर सकते हैं।

2. इस परीक्षा का संचालन कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इन नियमों के परिणाम्य-1 में निहित विधि से किया जाएगा।

किन तारीखों की और किन-किन स्थानों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी इसका निर्धारण आयोग करेगा।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या ग्राहोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। भूतपूर्व सैनिकों, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग (भ्रष्टंग तथा आंशिक रूप से नेत्रहीन) व्यक्तियों के रिक्त स्थानों के संबंध में आरक्षण निर्देशों के अनुसार सरकार द्वारा निर्धारित ढंग से किया जाएगा।

टिप्पणी :- आंशिक विकलांगता : आंशिक रूप से विकलांग वे हैं जिनमें कम से कम 40% ऐसी शारीरिक कमी या विकृति हो जिससे अस्थियों, मांस पेशियों और जोड़ों के सामान्य रूप से कार्य करने में बाधा होती हो।

(1) जो भूतपूर्व सैनिक सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं उन्हें अपनी वास्तविक श्राय में से सैनिक सेवा का काम करने की अनुज्ञा दी जाएगी तथा ऐसी परिणामी श्राय निर्धारित श्राय सीमा से 3 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इस श्राय छूट के अधीन परीक्षा में बैठने की जिन उम्मीदवारों को अनुमति दी गई है वे उन सभी रिक्तियों के लिए आहे वे भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित हों अथवा नहीं, परीक्षा देने के लिए पात्र होंगे।

भूतपूर्व सैनिक से ऐसा अविक्त अभिप्रेत है जिसने यौद्धा अथवा गैर यौद्धा के रूप में संघ की नियमित सेवा, नीसेना तथा वायु सेना में किसी भी रैंक में सेवा की है तथा :-

(1) जो ऐसी सेवा में अपनी पेंशन लेने के बाद सेवा निवृत्त हुआ है या

(2) जिसे ऐसी सेवा दे, सैनिक सेवा अथवा किन्तु प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण भेड़िकन आधार पर सेवा मुक्त किया गया हो तथा भेड़िकल अथवा अन्य कोई अयोग्यता पेंशन दी गई हो।

(3) जिसे अपने अनुरोध के सिवाएँ किसी और कारण, संस्थापना के कर्मचारियों की संख्या में कमी करने के कारण ऐसी सेवा में मुक्त किया गया हो, या

(4) जिसे अपने कार्य वी किसी विशेष अवधि तक पूरा करने के बाद उसके निजी अनुरोध के सिवाएँ किसी और कारण से अथवा कदाचार या ग्रदक्षिण के आधार पर जखमित अथवा पदच्युत करके सेवामुक्त कर दिया गया हो और उपदान दिया गया हो सथा जो निःसंखित श्रेणियों की प्रावेदिक सेना के कार्मिकों में शामि ; हो अर्थात् :-

(1) निरन्तर एम्बाडिड सेवा पेंशन पाने वाले,

(2) सैन्य सेवा के कारण शारीरिक रूप से अपोग्य हुए अविक्त और

(3) बहादुरी के खिताब मिलेता ।

नोट-1- जो भूतपूर्व सैनिक अपने पुनर्नियोजन के लिए भूतपूर्व सैनिकों के रूप में जाम प्राप्त करने के बाद पहले ही सिविल सरकारी सेवा में आ गए हैं वे श्राय में छूट के पात्र नहीं होंगे।

नोट-2- पैरा 3 (i) के प्रयोजन से सैन्य बल में एक भूतपूर्व सैनिक की “काल उप सर्विस” की अवधि को सैन्य बलों की सेवा के रूप में माना जाएगा।

नोट-3- संघ की तीनों सशस्त्र मेनाश्रों के किसी सैनिक को आरक्षण के लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से एक भूतपूर्व सैनिक भाने के प्रयोजन से उसने पद/सेवा के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय भूतपूर्व सैनिक का सार पहले ही प्राप्त किया हो और अथवा वह किसी सक्षम प्राधिकारी से लिखित साक्षण द्वारा अपनी हकदारी के लिए यह सिद्ध करने की स्थिति में हो कि उसे अपनी नौकरी की एक साल की निश्चित अवधि पूरी हो जाने के बाद सशस्त्र मेनाश्रों से सेवामुक्त कर दिया जाएगा। (इसके लिए उम्मीदवार द्वारा आवेदन भरने की नियम संभव है) इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र, वचन का प्रपत्र अनुबंध में दिया गया है (जैसा कि दिनांक 3-4-91 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36034/2/91-स्था (अनु० जा०) के पैरा 2 में दिया है)

3(ii) आंशिक तथा आंशिक रूप से नेत्रहीन (पैरा 3 में यथा निर्दिष्ट) से ऐसा विकलांग व्यक्ति अभिप्रेत है जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर परिभाषित किया जाता है। अपर्ग व्यक्तियों को सहायक देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नोट :- आंशिक रूप से अंधे उम्मीदवार के लिए अलग से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

(3) अनुमूलिकता जाति/जनजाति से अभिप्राप्य उस किसी भी जाति से है जिनका निम्नलिखित में उल्लेख किया गया है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जनजाति सूची (संघोधन) आदेश, 1956 द्वारा संशोधित किया गया है, बबई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश अधिनियम 1970 तथा उत्तर पूर्वी ध्रेत (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंगमान और निकोबार डीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति, आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति, आदेश, 1964 संविधान (पांडिचेरी) अनुनूचित जाति आदेश, 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीवी) अनुसूचित जाति आदेश, 1968, संविधान (गोआ, दमन और दीवी) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968, संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1970, अनुसूचित जाति और अनुमूलिकता जनजाति आदेश (संघोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978।

4. (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या नो-
(क) भारत का नागरिक हो, या
(ख) नेशन का रहने वाला हो, या
(ग) भूदेश का निवासी हो, या
(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आया हो, या
(ड) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कैन्या, उगांडा और तंजानिया, संयुक्त गणराज्य (भरपूर नामानिका व जंजीबार) के पूर्व अफ्रीकी देशों, जांबिया, भलाबी, जायरे, इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

आगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ण (ख), (ग), तथा (घ)
(ड) का कोई उम्मीदवार वही व्यक्ति होगा जिसके लिए भारत सरकार द्वारा पाक्षता प्रमाण पद जारी कर दिया गया हो।

इससे आगे यह कि उपर्युक्त प्रवर्ण (ख), (ग) और (घ) का कोई व्यक्ति भारतीय विदेश सेवा (ख) — आशुलिपिक संवर्ग का (ग्रेड-3) में नियुक्ति के लिए पाक्षत नहीं होगा।

(2) किसी उम्मीदवार को, जिसके मामले में पाक्षता प्रमाणपत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, लेकिन नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जाएगा जबकि, जिस पद पर उम्मीदवार को नियुक्त किए जाने की संभावना है, उस पद के प्रशासनिक रूप से संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा उम्मीदवार की आवश्यक पाक्षता प्रमाणपत्र दे दिया गया है।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार की आयु 1-8-1991 को वे 18 वर्ष से कम और 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1966 से पहले और 1 अगस्त, 1973 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 40 वर्ष आयु तक छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में स्थायी रूप में आशुलिपिकों (जिसमें भाषा आशुलिपिक/लिपिक/आशु टंक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंक का शामिल हैं) के रूप में नियुक्त किया गया है और जिन्होंने आशुलिपिकों के रूप में (भाषा आशुलिपिक, लिपिक/आशु टंक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंक की शामिल हैं) 1 अगस्त, 1991 तक 3 साल से कम सेवा न की हो और अभी भी वे इसी तरह नियुक्त हों।

(ग) ऊपरिलिखित सभी मामलों में ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

(1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

- (2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित या भविष्य में प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, या प्रव्रजन करने वाला हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सदभावपूर्वक प्रत्यावर्तित या भविष्य में प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (4) किसी दूसरे देश से संधर्य के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करने समय आशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों से संबंधित रक्षा सेवा कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 3 वर्ष तक।
- (5) किसी दूसरे देश से संधर्य के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करने समय आशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों से संबंधित रक्षा सेवा कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक।
- (6) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विलुप्त है तथा प्रांगिक रूप से नेत्रहीन हो तो, अधिक से अधिक 10 वर्ष, और
- (7) ऐसी विधिवाङ्मयी, तलाकशुदा भहिलाओं और न्यायिक तौर पर आपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुर्णविवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की भहिलाओं के लिए 40 वर्ष तक)।
- (8) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय जापन संघा 1512/18/90-स्पा (घ) दिनांक 9-11-90 के अनुसार भारत सरकार के संबंध एवं अधीनस्थ कार्यालयों सहित मंत्रालयों/विभागों में तदर्थ रूप से श्रेणी 'घ' आशुलिपिक के रूप में कार्य करने वालों को ऊपरी आयु सीमा में उनके द्वारा की गयी तदर्थ सेवा की अवधि के बराबर छूट दी जाएगी।

टिप्पणी : ऐसे तदर्थ आशुलिपिकों के आवेदन नाम से श्री ए.के. माथुर, अवर सचिव, कर्मचारी वयन आयोग, ब्लाक सं. 12, सी.जी.ओ. काम्प्लैक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली 3 को भेजे जाएं। किसी शेत्रीय कार्यालय को नहीं।

(9) भूटान के चुखा विद्युत परियोजना प्राधिकरण के सीधी भर्ती किए गए ऐसे कर्मचारियों को जिनकी छंटनी की गयी है, को ऊपरी आयु सीमा में उनके द्वारा प्राधिकरण में की गई नियमित सेवा की अवधि के बराबर छूट दी जाएगी। छंटनी किए गए कर्मचारी की नियमित सेवा की अवधि का निर्णय, चुखा विद्युत परियोजना प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र के आधार पर किया जाएगा।

(10) कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय जापन संघ्या 49014/16/89—स्था(सी) दिनांक 16-7-90 के अनुसार केन्द्र सरकार के मंत्रालय / विभाग या इसके सम्बद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में श्रेणी 'ग' के पदों पर कार्यरत अनियमित कर्मचारियों को ऊपरी आयु सीमा में केवल एक बार निम्न शर्तों के अधीन छूट दी जाएगी:—

(1) अनियमित कर्मचारी दिनांक 16-7-90 को किसी सरकारी कार्यालय में अवश्य नियुक्त हो।

(2) प्रत्येक पिछले दो कैलेण्डर वर्षों में उसने 240 दिन (जिन कार्यालयों में 5 दिन का मात्रावृहि है वहाँ 206 दिन) की सेवा पूरी कर चुका हो।

इस नियमाबली के निगम 6 में निर्धारित शैक्षिक अर्हताएं रखता हो उपर्युक्त छूट केवल इस वर्ष की परीक्षा के लिए है।

नोट: यह सुनिश्चित करना उम प्रशासनिक मंत्रालय विभाग का काम है जहाँ अनियमित कर्मचारी इन अनुदेशों के जारी होने के समय नियुक्त है कि आयोग द्वारा संचालित इस परीक्षा में सम्मिलित होने का इच्छुक अनियमित कर्मचारी उपरोक्त सभी शर्तों को पूरा करता है। ऐसे प्रमाण पत्र ऐसे अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी होंगे जो उप सचिव या समकक्ष पद से नीचे का नहीं, यदि प्रमाणपत्र संलग्न नहीं किया गया तो, प्रार्थनापत्र आयोग द्वारा अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है। भूतपूर्व सैनिकों के पुत्रों, पुत्रियों तथा अधिकारियों को तथा पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को आयु रियायत अनुग्रह नहीं है।

ध्यान दें : (1) जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ब) में उल्लिखित आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया है। उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है जबकि आयोगने पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है, या

विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

ध्यान दें : (2) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक, लिपिक/आशु टंक/हिन्दी लिपिक/हिन्दी डंक) सहित जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाहूप पदों पर प्रतिनियुक्त पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पद पर है जिससे वह स्थानान्तरित किया गया था, यदि वह अन्यथा पात्र है परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

6. उम्मीदवारों ने केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्दिष्ट विद्यालय की मैट्रिक परीक्षा अवश्य पास को हो, अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड को माध्यमिक स्कूल परीक्षा का या कोई और ऐसा प्रवणता हो जिने उत्तर राज्य की सरकार/भारत सरकार द्वारा नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाणपत्र के समकक्ष माना गया हो।

नोट 1 : कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा देकी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अहंक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट 2 : आपवादिक परिस्थितियों में, केन्द्रीय सरकार किसी ऐसे उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान नकरी है, जिसके पास उपर्युक्त नियम में निर्धारित शैक्षिक अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं हो बैश्टे कि उम्मीदवार के पास कोई ऐसी अर्हता हो जिसका स्वर सरकार के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार की उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

7. जिस व्यक्ति ने—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है वह सेवा में नियुक्ति के लिए पाल नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के द्वारे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी है, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

8. जो उम्मीदवार स्थायी अथवा अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में पहले से हो, वह परीक्षा में बैठने के लिए

सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे आशुलिपिक परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से आयोग को एक अनापत्ति प्रमाण पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में वाधक हो। यदि सफरम प्राधिकारी द्वारा विद्वित डाकटरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात दुश्मा कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसको नियुक्ति नहीं की जाएगी। केसल उन्हीं उम्मीदवारों को डाकटरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए विवार किए जाने की संभावना हो।

टिप्पणी: अशक्त भूतपूर्व रक्षा कार्मिकों के मामले में, रक्षा सेवा के सैन्य विवेटन डाकटरों बोर्ड (डीप्रोवीलाइजेशन मैडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाणपत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पासता या अपातता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. सशस्त्र सेना से कार्यमुक्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के नोटिस के अन्तर्गत शुल्क की छूट दी गई है, उनको छोड़कर सभी उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित शुल्क देना होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार का समर्थन प्राप्त करने का यस्ता किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग भाग नहीं सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा नियुक्ति बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने:—

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति से नाम बदल कर परीक्षा दिलाई है, अथवा
- जाती प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- गलत या झूठे विवरण दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(viii) उसर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अभील भाषा में या अभद्र आशर की हों, या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रहार का दुर्घटवहार किया हो, या

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक धति पहुंचाई हो,

(xi) परीक्षा देने को अनुमति वाले प्रवेश पत्र के साथ उम्मीदवारों को जारी किए गए किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, अथवा

(xii) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीब्यूशन) चलाया जा सकता और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए श्रयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(i) आयोग द्वारा सी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अध्ययन के लिये,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बंचित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. उम्मीदवारों का जयन: परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को अंग्रेजी आशुलिपिकों अथवा हिन्दी आशुलिपिकों जैसा भी मामला हो के रूप में नियुक्ति के लिए अर्हता प्राप्त समझेगा, उनकी इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अपेक्षित संख्या तक सिफारिश की जाएगी।

इन नियमों में दिये गये अन्य उपबंधों के अध्यधीन, परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करते समय उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए व्यक्त की गई अप्रताप्तों पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

परन्तु यदि शारीरिक रूप से विकलांग वर्गों अथवा भूत-पूर्व सैनिकों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियाँ इन वर्गों के उम्मीदवारों द्वारा सामान्य मानकों के आधार पर नहीं भरी जा सकती हों, तो आरक्षित कोटे में कभी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, जहाँ परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, सेवा में चयन करने के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी बशर्ते कि वे उपयुक्त हों।

आयोग अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की सिफारिश इन वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक मानकों में छूट देकर कर सकेगा बशर्ते कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए योग्य हों।

और यह कि अनुसूचित जाति / जनजाति के ऐसे उम्मीदवार जिनकी आयोग ने इस उप नियम में सदिभित मानकों में छूट का सहारा लिए बिना सिफारिश की है उन्हें इन वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

16. हर एक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षाफल के संबंध में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

17. उम्मीदवार के चरित्र तथा पूर्ववृत्तों की आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार इस बात से संतुष्ट न हो जाए, कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

18. इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जा रही है उनके मंकिप्त विवरण परिशिष्ट-II में दिए गए हैं।

करतार सिंह, अवर मन्त्री

परिशिष्ट—1

परीक्षा की योजना:—परीक्षा के दो भाग होंगे अर्थात्:—

भाग-1: लिखित परीक्षा

भाग-2: आशुलिपि परीक्षा

भाग-1: लिखित परीक्षा

परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णीक और पाठ्य विवरण तथा स्तर निम्न प्रकार होंगे:—

विषय	पूर्णीक	दिया गया समय
(1) भाषा परीक्षा (हिन्दी/अंग्रेजी)	100	दो घंटे
(2) सामान्य जागरूकता	100	

दोनों ही उक्त विषयों से संबंधित केवल एक पेपर होगा जिसमें वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पी प्रकार के प्रश्न होंगे। उम्मीदवारों को दोनों ही विषयों को, अलग-अलग रूप से, पास करना अनिवार्य होगा। आयोग को किसी एक विषय या दोनों ही विषयों के लिए न्यूनतम अर्हक अंक निर्धारित करने की पूर्ण छूट होगी। केवल वही उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाए जाने के पात्र होंगे जो दोनों में से प्रत्येक विषयों में लिखित परीक्षा में ऐसेवं न्यूनतम प्राप्त करें जो आयोग द्वारा उसके विवेक से निर्धारित किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को यह विकल्प होगा कि वे भाषा परीक्षा का उत्तर हिन्दी में दें या अंग्रेजी में। जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं वे भाषा-परीक्षा हिन्दी में देंगे तथा जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देना चाहते हैं वे भाषा परीक्षण अंग्रेजी में देंगे।

स्तर तथा पाठ्य विवरण: प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

भाषा परीक्षा (हिन्दी/अंग्रेजी): इस परीक्षा में ऐसे प्रश्न होंगे जिससे कि उम्मीदवार के हिन्दी/अंग्रेजी भाषा तथा इसकी ग्रन्थावली, व्याकरण, वर्त्तमान, समानार्थ तथा विपरीतार्थक आदि से संबंधित ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। परिच्छेद को समझने के संबंध में भी प्रश्न होंगे।

सामान्य जागरूकता: इसमें प्रश्न हस्त प्रकार से तैयार किए जाएंगे जिससे कि उभीद्वारा की, इसके आसपास घटने वाली घटनाओं तथा समाज में उसकी प्रासंगिकता के संबंध में, सामान्य जागरूकता संबंधी योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके। इसमें ऐसे भी प्रश्न रखे जाएंगे जिससे कि उभीद्वारा की, वर्तमान घटनाक्रम और दिन प्रतिदिन नज़र आने वाली तथा उनके वैज्ञानिक पहलुओं की बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिए व्यक्ति को होनी चाहिए, ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सके। इस परीक्षा में भारत तथा इसके पड़ीमी देशों के संबंध में विशेषकर हिन्दूस्था, मंस्कृति, भूगोल, अर्थ व्यवस्था, सामान्य नीति तथा वैज्ञानिक अनुभवान में संबंधित प्रश्न भी होंगे।

ભાગ-II

300 अंक

हिन्दी या अंग्रेजी में आशलिपि परीक्षा

(लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए)

आषालिपि परीक्षा के बारे में व्योरे इस प्रकार होंगे—

आण्लिपि परीक्षा की योजना :

उम्मीदवारों को अग्रेजी प्रथम हिन्दी में 80 शब्द प्रति मिनट की गति में 10 मिनट के लिए एक शुल्क देनी होगी। जो उम्मीदवार अग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 65 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 75 मिनट में सामग्री का लिप्यन्तर करना होगा।

1. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टंकण मरीन पर लिप्यन्तर करते होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टंकण मरीन लानी होगी।
 2. जो उम्मीदवार हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी और जो उम्मीदवार अंग्रेजी में आशुलिपि परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी।

परिणिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जा रही है, उससे संबंधित संक्षिप्त व्योरे।

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा।

(ख) केन्द्रीय मन्त्रिवालय आशलिपि सेवा में इस समय निम्नतिविकृत ग्रेड हैं:—

ग्रेड "क" और "ख" (सिविलयन) : रु. 2000-60-2300-ख.रो.-75-3200-100-3500

ग्रेड "ग" रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900

ग्रेड “घ” रु. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040

2. उक्त सेवा के ग्रेड "B" में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिक्रीकाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने आवश्यक हैं तथा ऐसी परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएं।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संवंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थानी कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आधारण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. सेवा के घेड “ध” में भर्ती किए गए अस्तित्वों की केन्द्रीय सचिवालय प्राशुलिषि सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

5. सेवा के ग्रेड “श्री” में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक मेवा :

(क) (i) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में फिलहाल निम्नसिखित ग्रेड हैं:—

ग्रेड कः १

ग्रेड क: } ग्रेड व: } नं. 2000-60-2300-व.रो.-75-3200-100-3500 का एकीकृत ग्रेड।

ग्रेड गः रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900

ग्रेड घः रु. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040

(ii) उक्त सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करे।

परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो उसे सेवा मुक्त किया जा सकता है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अपेक्षित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(iii) उक्त सेवा के ग्रेड घ में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की तरह कर्मचारियों का अन्य मंत्रालय में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड आशुलिपिक सेवा के अधिकारी :—

(i) पेंशन लाभ के पात्र होंगे तथा

(ii) सेवा में आने की तारीख को नियुक्त रेल कर्मचारियों पर लागू गैर अंशदायी राज्य रेल भविष्य नियम के अधीन उक्त नियम में अभिदान करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार पास और विशेषाधिकार टिकट आदेश का हकदार होगा।

(ङ) जहां तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में सम्मिलित स्टाफ के साथ वैसा ही बताव किया जाता है जैसा कि रेलवे के अन्य स्टाफ से, किन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में वे केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिक संवर्ग का ग्रेड-III इस समय भारतीय विदेश सेवा “ख” के आशुलिपिक संवर्ग के निम्नलिखित ग्रेड/ग्रेड

रु. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500 ग्रेड II

ग्रेड-II

रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900

ग्रेड-III

रु. 1200-30-1560-द.रो.-40-2040

आशुलिपिक संवर्ग में रु. 3000-100-3500-द.रो.-125-4500 के बेतनमान में नया ग्रेड सुजित करने की कार्रवाई थल ही है।

2. सेवा के ग्रेड-III में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेने तथा ऐसी परीक्षाएं पास करनी आवश्यक हैं जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएं। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि इनमें से किसी का भी कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक पाया जाए तो उस स्थिति में या तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार द्वारा यथोचित समय के लिए उसकी परिवीक्षा अवधि को आगे बढ़ाया जा सकता है।

3. भारतीय विदेश सेवा “ख” में नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को मुख्यालयों भारत में किसी भी स्थान पर अथवा विदेश में जिस पद पर भी नियंत्रक प्राधिकारियों द्वारा तैनात किया जाए पवां पर सेवा करनी होगी।

4. विदेश सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को संबंधित देशों की जीवन-निवाह लागत आदि पर अतिरिक्त समय-समय पर मंजूर की जाने वाली दरों पर उनके मूल बेतन के अतिरिक्त विदेश भता मंजूर किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों पर लागू भारतीय विदेश सेवा (पी एल सी ए) नियमावली 1961 के अनुसार विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी:—

(i) सरकार द्वारा निर्धारित बेतनमान के अनुसार निःशुल्क सुसज्जित आवास;

- (ii) सहायता प्राप्त चिकित्सा धरिवर्षी योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिवर्षी प्रवृत्तिशाली;
- (iii) व्यक्तिगत आकर्षणक व्यक्ति में भारत में शामें और विदेश में अपने तैनाती के स्थान पर वापिस जाने के लिए अधिकारियों की पूरी सेवा के दौरान अधिकतम दो बार हवाई यात्रा के एकल टिकट;
- (iv) कुछ शर्तों के अन्वयीन छुट्टियों के दौरान मातानपिता को मिलने के लिए भारत में पढ़ाई कर रहे 6 वर्ष से 12 वर्ष तक के आयवर्ग के बच्चों को व्यापिक वापसी हवाई यात्रा टिकट;
- (v) अधिकारियों की विदेश में नियुक्ति के स्थान में पढ़ाई कर रहे 5 से 18 वर्ष तक को आय के भीतर के अधिकतम दो बच्चों की शिक्षा पर हुआ व्यय कुछ शर्तों के अन्वयीन सरकार द्वारा बहन किया जाता है;
- (vi) विद्यमान अनुदेशों के अनुसार विदेश में नियुक्ति के लिए संज्ञा (आउटफिट) भना;
- (vii) नियर्वाहिन नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को स्वदेश छुट्टी यात्रा भना।

घ—संश्लेष्मा मुख्यालय आशुलिपिक संघा।

विद्यमान नियन्ति के अनुसार मण्डल मेना मुख्यालय आशुलिपिक संघा में पर्वों को भरने की पद्धति नियमित चार घेट निम्नानुसार

—

ग्रेड	वेतनमात्र	पद्धति
आशुलिपिक ग्रेड "क"	रु. 650-1200 यथा-मंजूरीधित 2000-3500	ग्रेड "ब" आशुलिपिक की पद्धति द्वारा
लपिक ग्रेड "ब"	रु. 650-1040 यथा-मंजूरीधित 2000-3500	50% तक ग्रेड "ग" आशुलिपिकों की पद्धति द्वारा 50% तक सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर आशुलिपिक ग्रेड "ग" की पद्धति द्वारा।
आशुलिपिक ग्रेड "ग"	रु. 425-800 यथा-मंजूरीधित 1640-2900	25% आशुलिपिक ग्रेड "द" की पद्धति द्वारा 25% तक सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर आशुलिपिक ग्रेड "द" की पद्धति द्वारा
आशुलिपिक ग्रेड "घ"	रु. 330-560 यथा-मंजूरीधित 1200-2040	मण्डल सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के मद्दयों के लिए कर्मचारी व्यवस्था आयोग हारा आयोजित सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से जिमके न होने पर सरकार द्वारा नियर्वाहिन पद्धति द्वारा।

टिप्पणी: चतुर्थ वेतन आयोग की सिफारिशों पर सरकार ने आशुलिपिक ग्रेड "क" और आशुलिपिक ग्रेड "ब" को रु. 3000-3500 के संग्रहित वेतनमात्र में मंजूरीधित कर दिया है और 3000-4500 के वेतनमात्र में आशुलिपिक के अन्तिम पर्वों का मूल्यन किया है। मण्डल सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की पुनर्गीक्रा विचारणीत है।

2. मण्डल सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में नियन्त्रण अक्ति दो वर्ष तक परिवर्तीशाली रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें प्रशिक्षण लेने वाला परीक्षार्थी पास करनी आवश्यक है जो सरकार द्वारा नियर्वाहिन को जाए।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार मंजूरीधित अक्ति को उसके पद पर स्थानी कर सकती है अथवा यदि उसका कार्य अथवा आधारण सरकार की राय में अमर्तोषजनक रहा हो तो उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार यांत्रिक गमय के लिए उसकी परिवीक्षा अवधि को आगे बढ़ा सकती है।

4. नेता में घेट "घ" में भर्ती किए गए व्यक्तियों की मण्डल सेना मुख्यालय दिल्ली/नई दिल्ली में नियन्त्रण रक्षा मंत्रालय के अधीन अन्तः सेवा संगठनों तथा मण्डल सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा योजना के अन्तर्गत शामिल कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। फिर भी उन्हें भारत में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ सकती है।

5. गेवा के ग्रेड "ध" में भर्ती किए गए व्यक्ति, इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार आगे उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

अनुबन्ध

सेवारक्ष व्यक्तियों के लिए प्रमाणपत्र का फार्म

[नियम 34(i) के तीव्रे टिप्पणी iii देखें]

मैं एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार ने ()
रैक नाम सशस्त्र सेना में नियुक्ति की निर्दिष्ट
अवधि को पूरी करेगा।

कमांडिंग अधिकारी के हस्ताक्षर

(कार्यालय मुहर)

स्थान :

तारीख :

उम्मीदवार द्वारा दिया जाने वाला बचत

मैं जानता हूँ कि उस प्रतीक्षा जिससे यह आवेदन पत्र संबंधित है के आधार पर चयन होने की दशा में मेरी नियुक्ति इस रैक पर होगी कि मैं नियोजित प्राधिकारी को इस सामयिक कार्यस्थल के लिखित सबत हूँ कि मुझे सशस्त्र सेनाओं से विधिवत कार्यमुक्त/ सेवानिवृत्त/डिस्चार्ज किया गया है और मैं समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (केन्द्रीय सिविल सेवाओं सथा पक्षों में पुनर्नियोजन) नियम, 1979 के अनुसार भूतपूर्व मैनिकों को अनुभेद प्रसुविधाओं का हक्कार हूँ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

स्थान :

घिनांक :

**MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSIONS**
(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 27th April, 1991

No. 10/2/91-CSII.—The rules for a Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Training for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts (and for such other services/posts as may be included by the Commission in their advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information :—

- (i) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade 'D'.
- (ii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D'.
- (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade 'D'.
- (iv) Grade III of Stenographers' Grade of IFS 'B'.
- (v) Central Vigilance Commission.
- (vi) Secretariat of Election Commission of India.
- (vii) Any other Department/Office, not mentioned above Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by

the Commission from the candidates at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of written examination.

2. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates who are Ex-servicemen, Scheduled Caste, Scheduled Tribe and Physically Handicapped (Orthopaedically Handicapped and partially Blind) in respect of vacancies as may be fixed by the Government in accordance with the instructions.

NOTE : The Orthopaedically Handicapped :—

The Orthopaedically Handicapped are those who have a minimum of 40 per cent physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

(i) Ex-serviceman fulfilling the conditions laid down by the Government from time to time shall be allowed to deduct military service from their actual

age and such resultant age should not exceed prescribed age limit by more than three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

"An 'ex-serviceman' means a person, who has served in any rank whether as a combatant or non-combatant in the Regular Army, Navy and Air Force of the Indian Union and

- (i) who retired from such service after earning his/her pension ; or
- (ii) who has been released from such service on medical grounds attributable to military service or circumstances beyond his control and awarded medical or other disability pension ; or
- (iii) who has been released, otherwise than on his own request from such service as a result of reduction in establishment ; or
- (iv) who has been released from such service after completing the specific period of engagements, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, and has been given a gratuity ; and includes personnel of the Territorial Army of the following categories ; namely :—
 - (i) pension holders for continuous emboldies service ;
 - (ii) persons with disability attributable to military service ; and
 - (iii) Gallantry award Winners".

NOTE I : Ex-servicemen who have already joined Government job in civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment are not eligible to the age concession

NOTE II : The period of 'Call up Service' of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of para 3(1) above.

NOTE III : For any serviceman of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-serviceman for the purpose of securing the benefits or reservation, he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service the status of Ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be discharged from the Armed Forces within the stipulated period of one year on completion of his assignment. (The date of submitting the application is relevant assignment. (The date of submitting the application is relevant for this purpose). The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexure (as per given in para 2 of O.M. No 36034/2/91-Estt.(SCT) dated 3-4-1991.

3. (ii) The Orthopaedically handicapped and partially Blind (as mentioned in para 3 will be as defined by Government from time to time. No scribe will be allowed to Orthopaedically Handicapped persons.

NOTE : A SEPARATE EXAMINATION MAY BE HELD FOR PARTIALLY BLIND CANDIDATES.

(iii) Scheduled Castes/Scheduled Tribes means any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 ; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950 ; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951 , the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Re-organisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 ; and the North Eastern Areas (Re-organisation) Act, 1971; The Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956 ; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 ; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962 the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962 ; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964 ; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 ; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 ; the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 ; the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976 ; the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

4. (1) A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugees who came over to India, before 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India ; or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Shri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to Categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (b) Grade-III of the Stenographers cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the Examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate

has been issued to him by the Ministry|Department which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (A) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1-8-1991 i.e. he must have not been born not earlier than 2nd August, 1966 and not later than 1st August, 1973.

(B) the upper age limit will be relaxable upto the age of 40 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)|Clerks|Steno-typist|Hindi Clerks|Hindi typist in various Departments|Offices of the Government of India and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographers (including language Stenographers)|Clerks|Steno-typist|Hindi Clerk|Hindi Typists on 1st August, 1991 and continue to be so employed.

(C) The upper age limit in all the above cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian Origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and or to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof ;
- (v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;
- (vi) upto a maximum of ten years if the candidate is physically handicapped person, i.e. Orthopaedically handicapped and partially blind.
- (vii) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes|Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not remarried ;
- (viii) Upper age limit is relaxable up to the extent of adhoc service for the adhoc

Grade 'D' Stenographers working in the Ministries|Departments including attached and subordinate Offices of Government of India in accordance with DP&T O.M. No. 15012/18/90-Estt.(D) dated 9-11-1990.

NOTE : The applications of such adhoc Stenographers may be sent by name to Shri A. K. Mathur, Under Secretary, Staff Selection Commission, Block No. 12, CGO Complex, Lodi Road, New Delhi-3 and NOT to any Regional Office.

(ix) Upper age limit is relaxable to retrenched employees of Chukha Hydel Project Authority in Bhutan who were directly recruited, to the extent of regular service rendered by them with the Authority (period of regular service rendered by the retrenched employees will be decided on the basis of certificate issued by the Chukha Hydel Project Authority).

(x) In accordance with DP&T O.M. No 49014/16/89-Estt. (C) dated 16-7-1990, age relaxation, as a one time measure is allowed to Casual Workers, who have been engaged for performing duties for Group 'C' posts, to the extent of period of service rendered as Casual Worker in a Central Govt. Ministry|Department or its attached subordinate office, subject to the following conditions :—

- (i) The Casual Worker must be in employment in a Government office on 16-7-90.
- (ii) He|She must have completed 240 days (206 days in offices observing 5 day's a week) of service in each of the immediately two preceding calendar years.
- (iii) He|She must possess educational qualification as prescribed in rule 6 of these rules.

The above relaxation is available only for this year's examination.

NOTE : It will be the responsibility of the administrative Ministries|Departments where the Casual Worker is employed at the time of issue of these instructions to ensure that the Casual workers intending to appear in this examination conducted by the Staff Selection Commission satisfy all the conditions prescribed above. Such certificate shall be issued under the signature of an officer not below the rank of Deputy Secretary or equivalent. In case such certificate is not enclosed, the application of the casual worker is liable to be rejected by the Commission.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED AGE CONCESSION IS NOT ADMISSIBLE TO THE 'SONS, DAUGHTERS AND DEPENDENTS OF EX-SERVICEMEN' AND TO PERSONS BELONGING TO 'BACKWARD CLASSES'.

N.B.(i): The candidature of a person who admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(3) above is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from

service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

N.B. (ii) : A stenographer (including language Stenographer|Clerk|Steno-Typist, Hindi Clerk|Hindi Typist) who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State|Government of India as equivalent to Matriculation certificate for entry into service.

NOTE 1 :—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2 :—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that the posses' es qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

7. No person :—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. A candidate already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity, may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a "No Objection Certificate" from his office before being allowed to take the Shorthand Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE :—In the case of disabled ex-Defence Service Personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's Notice, must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) Obtaining the support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination.
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall.
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations,
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) Attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any or the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or

- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
- by the Commission from any examination or selection held by them;
 - by the Central Government, from any employment under them; and
 - to disciplinary action under the appropriate rules if he is already in service under Government.

Selection of Candidates :

15. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination for appointment as English Stenographers or Hindi Stenographers as the case may be, shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate to various services/posts at the time of his application.

recommended at relaxed standards to make up for the deficiency in the resvrd quota subject to fitness extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of general standards, be recommended at relaxed standards to make up for the deficiency in the reserved quota subject to fitness

of such candidates for selection irrespective of their ranks in the order of merit.

Provided further that the candidates belonging to any of the Scheduled castes or the Scheduled Tribes, may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the service.

Provided further that the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

16. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidate shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

17. Success in the examination shall confer no right to appointment unless the Government is satisfied, after such inquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

18. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix-II.

KARTAR SINGH, Under Secy.

APPENDIX

Scheme of Examination :—The Examination will consist of two parts, viz.

Part-I Written Examination

Part-II Stenography Test.

Part-I Written Examination :—The subjects of the examination, the time allowed, the maximum marks for each subject and the syllabus and standard will be as follows :—

SUBJECTS	MAXIMUM MARKS	TIME ALLOWED
(i) Language Test (Hindi/English)	100	2 hours
(ii) General Knowledge	100	200

There will be a single paper for both the subjects of 'Objective Multiple-Choice-Type' questions. Candidates will be required to qualify in each of the two subjects separately. The Commission will have full discretion to fix the minimum qualifying marks in both the subjects. Only such candidates who attain in each of the two subjects of the written examination, a minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion, would be eligible to be considered for being called for the Shorthand test. The candidate will have option to answer the language test either in Hindi or English. The candidates who opt for Hindi medium in shorthand test will take the language test in Hindi and candidates opting for English shorthand will take language test in English.

Standard and Syllabus :—The standard of the question papers will be approximately that of the Matriculation Examination of an Indian University.

Language Test: (Hindi/English):— Questions in this test will be set to assess the knowledge of Hindi/English Language, its vocabulary, Grammar, Sentence, Sentence Structure, Synonyms and Antonyms, etc. There will also be questions on Comprehension of passages.

General Awareness:— Questions will be designed to test the ability of the candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. Questions will also be designed to test knowledge of current events and of such matter of every day observations and experience in their scientific aspect as may be expected of an educated person. The test will also include questions relating to India & its neighbouring countries especially pertaining to History, Culture, Geography, Economic Science, general Polity and Scientific Research.

PART-II

SHORT HAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH

(FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

The details about the shorthand test will be as follows:

300 marks

Scheme of Shorthand Test:-

The candidates will be given one dictation test in English or in Hindi at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minutes, and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes.

1. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. Candidates who opt to take the Shorthand test in Hindi will be required to learn English Stenography and vice-versa, after their appointment.

APPENDIX-II

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICE/POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE THROUGH THE EXAMINATION

A. The Central Secretariat Stenographers' Service

1. The Central Secretariat Stenographer's Service has at present the following grades:

Private Secretary Grade	Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500
Grade 'A' & 'B' (merged)	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
Grade 'C'	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900
Grade 'D'	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

2. Persons recruited to Grade 'D' for the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be posted to one of the Ministries or offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to an other such Ministry or Office.

5. Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service

(i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades:—

Grade 'A'	The unified grade of
Grade 'B'	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500
Grade 'C'	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900
Grade 'D'	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

(ii) Persons recruited to Grade 'C' of the service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Govt. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct, in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographer's Service is confided to the Ministry of Railway and staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules:

(i) will be eligible for pensionary benefits ; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory state Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretarial Stenographers' Service, will be entitled to the Privilege of passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B) GRADE-III OF THE STENOGRAPHERS CADRE

The Stenographers cadre of the IFS 'B' has at present grade as follows:—

Selection Grade/Grade-I

Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-3500

Grade-II

Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

Grade-III

Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040

The constitution of a new grade in Stenographers Cadre in the Scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 is under process.

2. Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

4. During service abroad IFS(B) officers, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS (B) officers:-

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;

(ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad, upto a maximum of two (single tickets) throughout the officer's service, for personnel emergencies.

(iv) Annual return air passage for children between the age of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vocation subject to certain conditions;

- (v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the age of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions:
- (vi) Out fit allowance for posting abroad as per existing instructions.
- (vii) Home Leave Passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

D. ARMED FORCE HEADQUARTERS STENOGRAPHERS SERVICE:

As per the existing position there are 4 grades in AFHQ Stenographers Service with the methods of filling the posts as under:—

Grade	Pay Scale	Method
Stenographer Grade 'A'	Rs. 650-1200 Revised Rs. 2000-3500	By promotion of Grade 'B' Stenographers
Stenographers Grade 'B'	Rs. 650-1040 Revised as Rs. 2000-3500	50% by promotion of Grade 'C' Stenographers 50% by promotion of Grade 'C' Stenographers on the basis of Limited Departmental Competitive Examination.
Stenographers Grade 'C'	Rs. 425-800 Revised as Rs. 1640-2900	25% by promotion of Grade 'D' Stenographers. 25% by promotion of Grade 'D' Stenographers on the basis of the Limited Departmental Competitive Examination.
Stenographers Grade 'D'	Rs. 330-560 Revised as Rs. 1200-2040	Through Limited Departmental Competitive Examination limited to the members of the AFHQ Clerical Service held by the SSC failing which by the method decided by the Government.

NOTE:—The Govt. on the recommendations of the 4th Pay Commission, has merged steno Gr. 'A' and Steno Grade 'B' together in the revised pay scale of Rs. 2000-3500 and farther created posts of Stenographers in the pay scale of Rs. 3000-4500 Review of AFHQ Stenographers Service is also under consideration.

2. Persons recruited to Grade 'D' of Armed Forces Headquarters Stenographers service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment if his work or conduct in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons, recruited to Grade 'D' of the Service will be posted to one of the offices of Armed Forces Headquarters/Inter Service Organisations under the Ministry of Defence located in Delhi/New Delhi and participants in the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Scheme. They, however, carry the liability to service anywhere in India.

5. Persons recruited to Grade 'D' of the Service will be eligible for promotion to the next Higher grade in a accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

ANNEXURE

FORM OF CERTIFICATE FOR SERVING PERSONNEL

Please see Note. III below Rule 3(i)]

I hereby certify that, according to the information available with me (No.....
Rank..... Name.....
.....is due to complete the specified form of his engagement with the Armed Force on the (date).....

Signature of Commanding Officer

Office Seal

Place

Date

1176 GI/91

UNDERTAKING TO BE GIVEN BY THE CANDIDATE

I understand that, if selected on the basis of the recruitment/examination to which this application relates, my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen (Re-employment in Central Civil Service & Posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

Signature of candidate

Place

Date